।।शरभेशाष्टकम्।।

श्री शरभेश अष्टकस्य, शिव ऋषिः, अनुष्टुपछन्दः, शर्भेश्वर देवता, मम नृसिंह कृत बाधा, दोष, पीड़ा निवारणार्थ समस्त ज्ञात अज्ञात शत्रु संहारणार्थे च पाठे विनियोगः।

।।अथ ध्यानम्।।

ज्वलनकुटिलकेशं सूर्यचन्द्राग्निनेत्रं निशिततरनखाग्रोद्धूतहेमाभदेहम् ।
शरभमथ मुनीन्द्रैः सेव्यमानं सिताङ्गं प्रणतभयविनाशं भावयेत्पक्षिराजम्।।

।। अथ स्तोत्रम।।

देवादिदेवाय जगन्मयाय शिवाय नालीकनिभाननाय।
शर्वाय भीमाय शराधिपाय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।१।।
हराय भीमाय हरिप्रियाय भवाय शान्ताय परात्पराय।
मृडाय रुद्राय विलोचनाय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।२।।
शीतांशुचूडाय दिगम्बराय सृष्टिस्थितिध्वंसनकारणाय।
जटाकलापाय जितेन्द्रियाय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।३।।
कलङ्ककण्ठाय भवान्तकाय कपालशूलात्तकराम्बुजाय।
भुजङ्गभूषाय पुरान्तकाय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।४।।
शमादिषट्काय यमान्तकाय यमादियोगाष्टकसिद्धिदाय।
उमाधिनाथाय पुरातनाय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।५।।
घृणादिपाशाष्टकवर्जिताय खिलीकृतास्मत्पथि पूर्वगाय।
गुणादिहीनाय गुणत्रयाय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।६।।
कालाय वेदामृतकन्दलाय कल्याणकौतूहलकारणाय।
स्थूलायसूक्ष्माय स्वरूपगाय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।७।।
पञ्चाननायानिलभास्कराय पञ्चाशदर्णाद्यपराक्षयाय।
पञ्चाक्षरेशाय जगद्धिताय नमोऽस्तु तुभ्यं शरभेश्वराय।।८।।

।।विधि।।

- नृसिंह कृत पीड़ा एवं बाधा के निवारण हेतु श्री शर्भेश्वर (आकाश भैरव) की उपासना की जाती है।
- उत्तराखंड एवं हिमालय क्षेत्र में यह समस्या बहुत अधिक है, कई दुष्ट तांत्रिक मन्त्रों के माध्यम से नरसिंह वीर को सिद्ध कर दूषित भोग के माध्यम से लोगों को कष्ट देते हैं।
- ऐसे दुष्ट तांत्रिक लाखों वर्ष प्रेत योनि में भटक के कष्ट पाते हैं।
- ऐसी समस्यायों के समाधान हेतु यह स्तोत्र संशोधित कर के दिया गया है।
- कोई भी श्रद्धालु भगवान् शर्भेश्वर की इस स्तोत्र के द्वारा उपासना कर सकता है।
- श्री शर्भेश्वर भगवान् शिव का बहुत ही विचित्र एवं महा उग्र स्वरुप है, जो श्री नृसिंह जी के गर्व हरण हेतु लिया गया था।
- नित्य ११ पाठ करें। भोग में मिठाई रखें।
- विशेष सिद्धि के लिए ११०० अथवा ११००० पाठ का अनुष्ठान करें।

वीडियो लिंक: https://www.youtube.com/watch?v=Tz0-jXc3iSI

स्वामी रुपेश्वरानंद जी द्वारा संशोधित

स्वामी रुपेश्वरानंद आश्रम

बलुआ , जिला - चंदौली (उत्तर प्रदेश)

Mobile No. : 7607 233 230

https://swamirupeshwaranand.in/